[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1583 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 213301

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Name of the Paper : Sanskrit Literature III (Paper VIII)

Semester : III

Dutation : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. This question paper contains **7** questions.
3. **All** questions should be answered.
4. Answers may be written *either* in Sanskrit *or* Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में कुल **7** प्रश्न हैं।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क' (Section – A)

1. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

Translate the following :

(क) कुले प्रसूतिः प्रथमस्य वेधसस्त्रिलोकसौन्दर्यमिवोदितं वपुः। (5)

अमृग्यमैश्वर्यसुखं नवं वयस्तपः फलं स्यात्किमतः परं वद ।।

P.T.O.

अथवा (or)

इयं महेन्द्रप्रभृतीनधिश्रियश्चतुर्दिगीशानवमत्य मानिनि ।
अरूपहार्यं मदनस्य निग्रहात् पिनाकपाणिं पतिमाप्तुमिच्छति ।।

(ख) द्वयं गतं सम्प्रति शोचनीयतां समागमप्रार्थनया पिनाकिनः । (5)
कला च सा कान्तिमती कलावतस्त्वमस्य लोकस्य च नेत्रकौमुदी ।।

अथवा (or)

अलं विवादेन यथा श्रुतस्त्वया तथाविधस्तावदशेषमस्तु सः ।
ममात्र भावैकरसं मनः स्थितं न कामवृत्तिर्वचनीयमीक्षते ।।

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

Explain the following :

(क) विकीर्णसप्तर्षिबलिप्रहासिभिस्तथा न गाङ्गैः सलिलैर्दिवश्च्युतैः । (6)
यथा त्वदीयैश्चरितैरनाविलैर्महीधरः पावित एष सान्वयः ।।

अथवा (or)

किमित्यपास्याभरणानि यौवने धृतं त्वया वार्धकशोभि वल्कलम् ।
वद प्रदोषे स्फुटचन्द्रतारका विभावरी यद्यरुणाय कल्पते ।।

(ख) संस्कृत में व्याख्या कीजिए : (6)

Explain in **Sanskrit** :

तदंगसंसर्गमवाप्य कल्पते ध्रुवं चिताभस्मरजो विशुद्धये ।
तथा हि नृत्याभिनयक्रियाच्युतं विलिप्यते मौलिभिरम्बरौकसाम् ।।

अथवा (or)

तं वीक्ष्य वेपथुमती सरसांगयष्टिर्निक्षेपणाय पदमुद्धतमुद्वहन्ती ।
मार्गाचलव्यतिकराकुलितेव सिन्धुः शैलाधिराजतनया न ययौ न तस्थौ ।।

3. कालिदास की काव्यशैली का विवेचन कीजिए। (10)

Discuss the poetic style of Kalidasa.

अथवा (or)

कुमारसम्भवम् के पंचम सर्ग का सार अपने शब्दों में लिखिए।

Write a summary of Vth Canto of 'कुमारसम्भवम्' in your own words.

भाग 'ख' (Section – B)

4. निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

Translate the following :

(क) वाचं न मिश्रयति यद्यपि मद्वचोभिः कर्णं ददात्यभिमुखं मयि भाषमाणे। (5)
कामं न तिष्ठति मदाननसंमुखीना भूयिष्ठमन्यविषया न तु दृष्टिरस्याः ॥

अथवा (or)

रम्यान्तरः कमलिनीहरितैः सरोभिश्छायाद्रुमैर्नियमितार्कमयूखतापः।
भूयाः कुशेशयरजोमृदुरेणुरस्याः शान्तानुकूलपवनश्च शिवश्च पन्थाः ॥

(ख) औत्सुक्यमात्रमवसाययति प्रतिष्ठा क्लिश्नाति लब्धपरिपालनवृत्तिरेव। (5)
नातिश्रमापनयनाय यथा श्रमाय राज्यं स्वहस्तधृतदण्डमिवातपत्रम् ॥

अथवा (or)

एवमाश्रमविरुद्धवृत्तिना संयमः किमिति जन्मतस्त्वया।
सत्त्वसंश्रयसुखोऽपि दूष्यते कृष्णसर्पशिशुनेव चन्दनः ॥

5. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

Explain the following with reference to context :

(क) शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य। (7)
अथ वा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र ॥

अथवा (or)

अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः ।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ।।

(ख) कुतो धर्मक्रियाविघ्नः सतां रक्षितरि त्वयि । (7)
तमस्तपति घर्मांशौ कथमाविर्भविष्यति ।।

अथवा (or)

महतस्तेजसो बीजं बालोऽयं प्रतिभाति मे ।
स्फुलिंगावस्थया वह्निरेधापेक्ष इव स्थितः ।।

6. 'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कस्तत्र श्लोकचतुष्टयम्' - इस उक्ति का विवेचन कीजिए । (10)

Discuss the statement 'तत्रापि च चतुर्थोऽङ्कस्तत्र श्लोकचतुष्टयम्'.

अथवा (or)

अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर शकुन्तला का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Draw a character-sketch of शकुन्तला on the basis of अभिज्ञानशाकुन्तलम.

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (9)

Write notes on any **three** of the following :

नान्दी, प्रस्तावना, विदूषक, नेपथ्य, विष्कम्भक